

## रचना का खेल

“कुट्टी सर के साथ मस्ती करके दिल्ली से वापिस आने के चार पाँच महीने बाद मैं एक घर में पेईंग गैस्ट रहने लगी थी तो वहाँ मेरी हमउम्र लड़की रचना मेरे साथ मेरे कमरे में मेरे साथ थी। रचना बनारस से था और वह भी एक दफ़्तर में काम करती थी, वो मेरी अच्छी सहेली [...] ...”

Story By: (untamedpussyshalini)

Posted: Thursday, May 19th, 2011

Categories: [लेस्बियन लड़कियाँ](#)

Online version: [रचना का खेल](#)

# रचना का खेल

कुट्टी सर के साथ मस्ती करके दिल्ली से वापिस आने के चार पाँच महीने बाद मैं एक घर में पेईंग गैस्ट रहने लगी थी तो वहाँ मेरी हमउम्र लड़की रचना मेरे साथ मेरे कमरे में मेरे साथ थी। रचना बनारस से था और वह भी एक दफ़्तर में काम करती थी, वो मेरी अच्छी सहेली बन गई थी।

एक दिन मैं अपने ऑफिस से जल्दी ही घर आ गई थी क्योंकि मुझे और रचना को कुछ खरीदारी करने बाज़ार जाना था। मैंने घर आ कर जल्दी से खाना बना लिया और रचना की प्रतीक्षा करने लगी। रचना ने कहा था कि वो चार बजे तक आ जायेगी।

कोई साढ़े तीन बजे अचानक ही घने काले बादल छाने लगे और जोरों की बारिश शुरू हो गई। मुझे लगा कि सारा प्रोग्राम खराब हो गया और समय बिताने के लिए मैं बेडरूम में टेलिविज़न देखने लगी। अचानक मेरी आंख लग गई और मैं बहुत देर तक सोती रही।

मेरी नींद साढ़े सात बजे खुली तो मैंने देखा कि बारिश बंद हो चुकी थी परंतु रचना अभी तक नहीं आई थी।

मैंने उसके मोबाइल पर फोन किया तो वो बंद था। मैंने उसके साथ काम करने वाली उसकी एक सहकर्मी को फोन किया तो उसने बताया कि आज ऑफिस की एक पार्टी थी इसलिए सब उसमें थे और ऑफिस चार बजे ही बंद हो गया था। अब मेरा पारा चढ़ने लगा कि रचना फोन करके बता देती कि आज का प्रोग्राम ना बनाऊँ तो आधा दिन बेकार नहीं होता।

खैर रात साढ़े आठ बजे रचना घर में घुसी। वो पूरी तरह से भीगी हुई थी और ठण्ड से कांप रही थी, आते ही बोली- साँरी शालू ! मुझे माफ कर दे। दरअसल अचानक ही ऑफिस में



पार्टी का प्रोग्राम बन गया था इसलिए मेरे दिमाग से ही निकल गया कि तुझको फोन करके बता दूँ कि आज का प्रोग्राम ना रखना। प्लीज़ मुझे माफ़ कर दे यार !

हालाँकि मेरा मूड बहुत खराब था परंतु फिर भी मैं चुप रही सिर्फ़ इतना कहा कि सारा कालीन गीला हो जायेगा इसलिए सीधे बाथरूम में जा कर कपड़े बदल ले।

उसने अपने हाथ में पकड़े थैले सोफे पर रखे और जैसे ही वो मेरे पास से होकर अंदर आई मुझे कुछ महक आई तो मैंने उसको पूछ ही लिया- तूने शराब पी है ?

तो रचना ने कहा- हाँ, पार्टी में सब लड़कियाँ पी रहीं थीं तो मैंने भी वहीं एक गिलास पी ली।

मैंने देखा कि उसके पर्स के साथ तीन थैले और भी थे। तभी रचना ने बाथरूम के दरवाज़े पर खड़ी होकर कहा- शालिनी, प्लीज़ मेरा तौलिया पकड़ा दे !

मैंने उसका तौलिया लाकर दिया तो उसने वहीं अपने कपड़े उतारने शुरू कर दिए। मैंने उसको कहा- ठण्ड लग जायेगी, दरवाज़ा बंद करके अंदर कपड़े बदल ले !

पर उसने मेरी बातों पर कोई ध्यान नहीं दिया और तौलिए से अपने शरीर को साफ़ करने लगी। हालाँकि पहले भी एक दो बार मैंने रचना को कपड़े बदलते हुए देखा है और मैं हमेशा इधर उधर हो जाती थी परंतु आज मैं पहली बार उसको बड़े ही ध्यान से देख रही थी। रचना ने अपनी ब्रा उतार कर फेंकी और फिर अपनी पैंटी भी उतार दी। मैंने देखा उसके मोम्मे बहुत बड़े तो नहीं थे पर बहुत छोटे भी नहीं थे शायद 32 आकार के थे। पतली कमर और छोटी गांड बिल्कुल वैसी जैसी आमतौर पर लड़कों को पसंद होती है। उसके नैन नकश बड़े ही अच्छे थे कुल मिला कर इस समय रचना मुझे बहुत सैक्सी लग रही थी। ऊपर से ठण्ड की वजह से उसके चुचुक बिल्कुल कड़े हो गये थे। मैंने सोचा कि अगर मैं कर



सकती तो अभी उसके मोम्मे दबा देती और उसके चुचुकों को चूस लेती ।

तभी मेरी तंद्रा भंग हो गई जब रचना ने मुझको पूछा- इतने ध्यान से क्या देख रही है शालू ?

“नहीं कुछ नहीं ! मैं बस वो देख रही थी कि आज तेरा मूड कुछ अलग सा ही लग रहा है !” कह कर मैं चुप हो गई ।

मैंने रचना को गाउन लाकर दिया पर उसने कहा- नहीं आज मैं कुछ नया पहनने के लिए लाई हूँ । रचना नंगी ही एक थैला खोल कर एक पैकेट से कुछ कपड़े निकल कर लाई । मैंने देखा कि उसके हाथ में काले रंग की एक ब्रा और पैंटी थी । उसने मेरे सामने ही वो पहन ली और फिर मेरे सामने खड़ी होकर पूछने लगी- देख शालू, कैसी लग रही है ?

मैंने कहा- अपने किसी चाहने वाले को पूछना, वो बताएगा कि तुम कैसी लग रही हो !

सच में कहूँ तो रचना कयामत लग रही थी । मैंने दिल में सोचा कि काश मैं लड़का होती तो अभी और यहीं उसको नीचे लिटा कर उस पर चढ़ाई कर देती और उसकी चूत और गांड का भुरता बना देती ।

तभी उसने मुझको कहा- शालिनी, एक बात कहूँ बुरा तो नहीं मानोगी ?

“नहीं बोल !” मेरे मुहँ से निकला ।

“नहीं, पहले वायदा कर कि बुरा नहीं मानेगी !” उसने फिर से कहा ।

“अच्छा मैं कसम खाती हूँ कि बुरा नहीं मानूँगी ! अब बोल ?” मैंने कहा ।

तब उसने दूसरे पैकेट में से एक ब्रा और पैंटी निकाल करके मेरे सामने रखी और कहा- यह



मैं तेरे लिए लाई हूँ। प्लीज़ मना मत करना।

मैंने देखा कि रचना मेरे लिए भी काले रंग की ही ब्रा और पैंटी लाई थी। मैंने उसको धन्यवाद कहा और कहने लगी- अब तू जल्दी से कपड़े पहन ले।

इस पर रचना बोली- पहले तू भी अपनी ब्रा और पैंटी पहन कर दिखा।

मैंने कहा- कल सुबह मैं पहन लूंगी !

परंतु रचना बार बार मुझे तभी ही बदलने को कह रही थी। मैंने उसको कहा- तुझको शराब चढ़ गई है, तू नहीं जानती कि तू क्या कह रही है।

इस पर रचना ने कहा- मैंने केवल एक ही गिलास पिया था और उसके बाद मैं अपने साथ काम करने वाले एक लड़के के साथ वहाँ से निकल गई थी।

फिर एकदम से रचना मेरे पास आई और मेरे गाल को चूम कर बोली- प्लीज़ बदल ले ना शालू !

अब मैं अंदर जाने लगी तो बोली- नहीं !!!! अंदर नहीं जाना, यहीं मेरे सामने बदल !

“तेरे सामने ?” मेरे मुहँ से निकला।

“हाँ, मैं भी तो तेरे सामने नंगी खड़ी हूँ, तो तुझे क्या समस्या है ?” रचना ने कहा।

मैंने भी सोचा, जो होगा देखा जाएगा और मैंने अपने कपड़े उतारने शुरू कर दिए। जब मैं पूरी नंगी थी तो रचना कहने लगी- शालिनी यार तू तो बहुत सैक्सी है, तेरे मोम्मे कितने बड़े हैं, दिल कर रहा है कि इनको खा जाऊँ।



“तू भी तो सैक्सी है मेरी जान !” मुझे लगा कि मेरी आवाज़ थोड़ी सी लरज़ती हुई हो गई है। जैसे ही मैंने अपनी ब्रा और पैंटी पहनी रचना कहने लगी- हाँ, अब ठीक है हम दोनों एक जैसे रंग की ब्रा और पैंटी में हैं।

“परंतु इससे क्या होगा ?” मैंने पूछा।

“अभी ठहर जा, बताती हूँ”। कहकर रचना ने दूसरा थैला खोलना शुरू किया तो मुझे लगा कि कहीं कोई डिल्लो आदि तो नहीं निकाल रही है। परंतु रचना ने उस थैले में से दो जोड़ी लाल रंग की सेंडिल निकलीं और बोली, “यह पकड़ एक जोड़ा तेरे लिए और एक जोड़ा मेरे लिए। चल अब जल्दी से पहन ले।

“तू पागल तो नहीं हो गई है क्या ?” मेरे मुँह से निकला।

“तू चाहे मुझे पागल कह या जो चाहे मज़ी अब ज़रा इनको पहन कर दिखा दे।” अपने सेंडिल पहनते हुए रचना बोली।

मैंने सेंडिल पहने, बिल्कुल मेरे साइज़ के थे।

तभी रचना ने मुझे फिर से चूमा और कहा- शालिनी, ज़रा एक बार चल कर दिखा ना !

मैं कुछ कदम चली तो रचना बोली- अब तू लग रही है असली सैक्सी लड़की। अब ज़रा अपनी पीठ मेरी ओर करना !

मैंने अपनी पीठ उसकी ओर की तो उसने पीछे से मेरे चूतड़ों पर हाथ फेरा और कहने लगी- तेरी गांड बहुत मस्त है शालू ! काश मैं लड़का होती तो आज तेरी गांड जरूर मार देती !

मेरी सांस जोर जोर से चल रहीं थीं, “तू क्या मारेगी मेरी गांड ? आज मैं ही तेरी मार लेती हूँ !” कहते हुए मैं रचना के पीछे आ गई और उसको घोड़ी बना कर उसकी गांड पर जोर



जोर से धक्के देने लगी। कुछ धक्कों के बाद मैं सीधी हुई और मैंने रचना को अपनी बाँहों में भर कर चूमना शुरू कर दिया।

रचना ने मेरा चेहरा अपने दोनों हाथों में लिया और मेरे होठों को चूमने लगी तभी मैंने थोड़े से अपने होंठ खोले और उसके होठों को अपने होठों में दबा कर चूसने लगी। मेरे हाथ उसकी गांड और पीठ को सहला रहे थे। थोड़ी देर बाद मैंने उसके दोनों मोम्मों को अपने हाथों में ले लिया और कभी हल्के और कभी जोर से दबाने लगी।

रचना की सिसकारियाँ निकल रही थीं। कुछ देर के बाद मैंने रचना को छोड़ दिया और पूछा- पहले यह बता कि आज कहाँ कहाँ गई थी? इस पर रचना कहने लगी- पार्टी से एक लड़के के साथ निकली तो तेज़ बारिश थी इसलिए एक बस स्टॉप के नीचे खड़े रहे और फिर सामान खरीद कर उस लड़के ने घर छोड़ दिया।

“सच बताना ! मुझे तो लग रहा है उस लड़के के साथ कहीं और भी गई थी?”

तब रचना ने कहा- नहीं और कहीं नहीं गई।

तभी रचना जोर से चिल्लाई- ओह्हूह शालू, मैं तो भूल गई। मैं खाना लेकर आई थी और वो जो आज पी थी उसी शराब की एक बोतल भी लाई हूँ। मैंने उसको कहा- देखा, इस ब्रा पैंटी के चक्कर में तेरा दिमाग खराब हो गया है।

मैं थैले में से खाने का सामान निकाल कर रसोई में रखने लगी।

तभी रचना ने एक वोदका की बोतल निकाल कर मेरे सामने शेल्फ पर रख दी।

मैंने उसको पूछा- कभी पहले पी भी है?

तो बोली- नहीं, आज पहली बार एक ही गिलास पिया था फिर सोचा कि तेरे साथ ही पी



कर देखूंगी ताकि अगर कुछ हो भी जाए तो तू है ना मुझे सँभालने के लिए !

और मुझसे लिपटने लगी ।

“बस कर ! ठहर अभी, मैं तेरे लिए पैग बनाती हूँ !” कहते हुए मैंने हम दोनों के लिए पैग बनाया और खाने का सामान गर्म करने लगी । मैंने सब कुछ मेज़ पर लगा दिया और हम दोनों सिर्फ ब्रा पैंटी में बैठ कर पीने-खाने लगीं ।

तभी रचना ने मेरी जांघ पर हाथ रखा और सहलाना शुरू कर दिया । तब मैंने भी अपने एक हाथ से उसकी जांघ को सहलाना शुरू कर दिया । फिर मैंने अपनी एक बाँह उसकी कमर के पीछे से डाली और रचना की पैंटी में हाथ डाल कर उसकी गांड को सहलाने की कोशिश करने लगी तो रचना खड़ी होकर मेरी तरफ पीठ करके खड़ी हो गई और झुक कर अपनी गांड मेरी तरफ निकाल कर बोली- ले, कर ले जो करना है । जैसे चाहे वैसे चोद ले इसको !

मैंने उसकी गांड पर हाथ फेरते हुए उसको सीधा किया और उसको अपने ऊपर झुका कर उसको चूमने लगी । मेरे हाथ धीरे धीरे उसकी ब्रा के हुक को खोल रहे थे । मैंने उसकी ब्रा उतार फेंकी और उसके मोम्मों को चूमने चूसने लगी ।

फिर रचना ने मेरी भी ब्रा उतार दी और मेरे मोम्मों को दबाने लगी । मैंने उसको सोफे पर इस प्रकार लिटा लिया कि उसकी चूत बिल्कुल मेरे मुँह के सामने थी । एक ओर उसका सिर था और दूसरी ओर उसकी टाँगें ! मैं उसके मुँह से लेकर उसकी चूत के ऊपर तक उसको चूम चाट रही थी । मैंने उसको मोम्मों को खूब दबा दबा कर चूसा । रचना की सिसकारियाँ निकल रही थीं । मेरा एक हाथ अब उसकी जांघ को सहलाता हुआ उसकी पैंटी के ऊपर से उसकी चूत को भी सहला रहा था ।

तभी मैं उसके होठों को अपने होठों में दबा कर चूसने लगी और अपनी उंगलियाँ धीरे धीरे





उसकी पैटी में घुसाने लगी। मैंने उसकी पैटी को नीचे सरका दिया। उसकी गुलाबी फांकों वाली चूत मेरे सामने थी। मैंने अपनी जीभ उसकी चूत के आस पास उसकी जांघों पर फेरनी शुरू कर दी और एक उंगली रचना की चूत में डाल दी। एकदम से रचना चिंहुकी और मेरा हाथ वहाँ से हटाने लगी। मैंने हाथ हटा लिया और फिर उसका हाथ भी पकड़ लिया और उसकी हथेली के ऊपर अपनी हथेली रख कर उसकी चूत के ऊपर रगड़ने लगी। कुछ देर के बाद मैंने अपनी उंगली फिर से उसकी चूत में डाली और धीरे धीरे अंदर-बाहर करने लगी। जब रचना ने कुछ नहीं कहा तो मैं समझ गई कि अब वह मस्त हो गई है।

अब मैंने अपनी दो उँगलियाँ उसकी चूत में डाल दीं और उसको चोदने लगी। दो तीन मिनट में ही उसके शरीर में बहुत जोरदार झुरझुरी सी हुई और रचना झड़ गई। उसकी चूत से पानी बाहर निकल रहा था परंतु मैं अभी भी अपनी उँगलियों से उसकी चूत को चोद रही थी। अब रचना ने हाँफना शुरू कर दिया तब मैंने पूछा- क्या हुआ ? इतनी जल्दी झड़ गई ?

रचना ने सिर्फ मुझे चूमा और मेरे हाथों को अपने मोम्मों पर रख कर जोर जोर से दबाने लगी। थोड़ी देर के बाद जब उसकी सांसें संयत हुईं तो कहने लगी- शालू, पता नहीं तेरे हाथों में क्या गरमी थी कि लंड से भी ज्यादा मज़ा आया और मैं झड़ गई।

मैंने उसको चूमते हुए पूछा- अब क्या इरादा है ? खाना खा कर सोएँ या कुछ और ?

रचना खड़े होकर बोली- आ जा अब तू मेरी गोद में आ जा !

मैंने कहा- मैं तो तेरे से भी मोटी हूँ और भारी भी। रहने दे, तू दब जायेगी।

तब रचना ने कहा- कोई बात नहीं, तू आ तो सही !

मैं उसकी गोद में आकर लेट गई तो रचना ने मेरी पैटी के ऊपर से मेरी चूत को चाटते हुए मेरे मोम्मों को दबाना शुरू कर दिया। मैंने उसका हाथ पकड़ कर अपनी चूत पर रगड़ना



शुरू कर दिया। तब रचना ने मेरी पैटी उतारने की कोशिश की तो मैं हल्की सी उठी और अपनी पैटी थोड़ी सी नीचे सरका कर फिर उसकी गोद में लेट गई। रचना ने मेरी चूत के आस पास चाटना शुरू कर दिया। कुछ ही देर में रचना की तीन उंगलियाँ मेरी चूत को चोद रहीं थीं। अब सिसकारियों की मेरी बारी थी।

“जोर से !ओहहहह रचना और जोर से चोद दे मुझे !” मैं कह रही थी।



## Other stories you may be interested in

### लेस्बीयन सेक्स और डिल्डो से चूत गांड चुदाई

नमस्कार मित्रो, मैं मल्लिका राय, जिसने कनाडा में मस्ती की थी। यह बात तब की है जब मुझे दूसरी बार कनाडा से आये हुए 4-5 माह हो गए थे और काम इतना ज्यादा था कि दिन रात उसके लिए एक [...]

[Full Story >>>](#)

### मेरा कामुक बदन और अतृप्त यौवन- 2

दोस्तो, आपने कामुकता से भरी मेरी जवानी की सेक्स कहानी के पिछले भाग में पढ़ा कि कैसे शॉपिंग करते समय देवेश मेरी तरफ आकर्षित हुआ और फिर हम दोनों ने मिलकर चुदाई की और फिर रात को मेरे पति रवि [...]

[Full Story >>>](#)

### मेरी सहेली संग लेस्बियन रासलीला

नमस्कार मित्रो, मैं मल्लिका राय... भूले तो नहीं न? वही... जिसने कनाडा में मस्ती की थी। बात तब की है जब मुझे कनाडा से आये हुए कुछ माह बीत चुके थे और पतिदेव ही दिल से चूत और और गांड [...]

[Full Story >>>](#)

### गुप सेक्स की नई जोड़ीदार -1

दोस्तो, आप लोग मेरी लिखी कहानियाँ पसंद कर रहे हो, यह जान कर अच्छा लगता है। आपने मेरी पिछली कहानी भाभी की चचेरी बहन गुप सेक्स में को पढ़ा जिसमें नीता विकास और कावेरी की चुदाई की कहानी थी। अब [...]

[Full Story >>>](#)

### भाभी की चचेरी बहन गुप सेक्स में-3

विकास के दुकान जाने के बाद कल की तरह हम लोग नहाने की तैयारी करने लगे तो कावेरी बोली- आज मेरी मालिश कर दे। मेरे ड्रेसिंग से वो मसाज आयल उठा लाई थी, उसने नीचे एक पुरानी चादर बिछाई और [...]

[Full Story >>>](#)





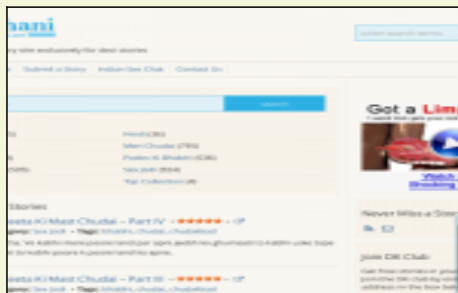
## Other sites in IPE

### Bangla Choti Kahini



বাংলা ভাষায় নুতন বাংলা চটি গল্প, বাংলা ফটে বাংলাদেশী সেক্স স্টোরি, বাংলা পানু গল্প ও বাংলা চোদাচুদির গল্প সংগ্রহ নিয়ে হাজির বাংলা চটি কাহিনী

### Desi Kahani



India's first ever sex story site exclusively for desi stories. More than 3,000 stories. Daily updated.

### Indian Sex Stories



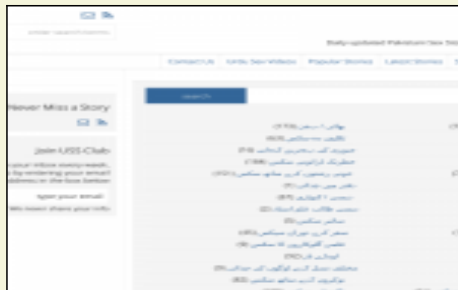
The biggest Indian sex story site with more than 40 000 user submitted sex stories. Go and check it out. We have a story for everyone.

### Meri Sex Story



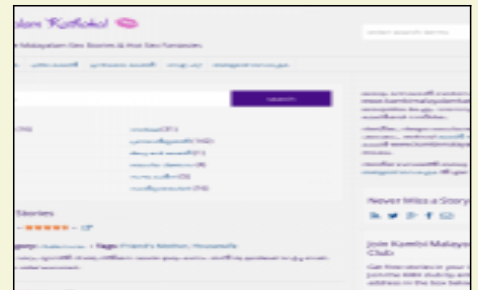
मैं हूँ मस्त कामिनी... मस्त मस्त कामिनी... मेरी सेक्स स्टोरी डॉट कॉम अत्यधिक तीव्र गति से लोकप्रिय होती जा रही है, मेरी सेक्स स्टोरी साईट उतेजक तथा रोमांचक कहानियों का खजाना है...

### Urdu Sex Stories



Daily updated Pakistani Sex Stories & Hot Sex Fantasies.

### Kambi Malayalam Kathakal



Large Collection Of Free Malayalam Sex Stories & Hot Sex Fantasies.